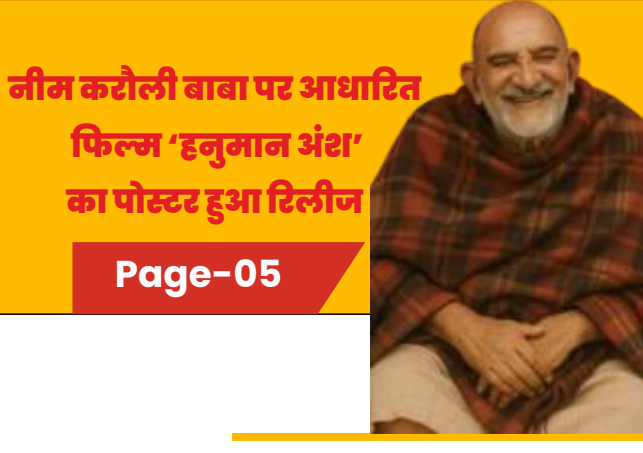




अफगानिस्तान को अलविदा
कहते जोनाथन ट्रॉट
हुए भावुक
Page-04



सच्ची खबर, सीधे आपके लिए



नीम कटौली बाबा पर आधारित
फिल्म 'हनुमान अंश'
का पोस्टर हुआ रिलीज
Page-05

बागलकोट में शिवाजी जयंती जुलूस के दौरान सांप्रदायिक तनाव, मस्जिद के पास ठेलों में आग



कर्नाटक, टीवी भारतवर्ष

बागलकोट: कर्नाटक के बागलकोट में गुरुवार देर शाम शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर मराठा समुदाय के बड़े जुलूस के दौरान सांप्रदायिक तनाव फैल गया। जानकारी के मुताबिक, जुलूस किले के अंबाभवानी मंदिर से शुरू होकर मेन रोड, बसवेष्टर सर्कल और वल्लभभाई चौक होते हुए किले की ओर बढ़ रहा था। अधिकारियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, जुलूस जब मस्जिद के बाहर पहुंचा तो DJ की आवाज तेज कर दी गई और लोग वहीं रुककर नारेबाजी और नृत्य करने लगे। इस दौरान मस्जिद में मौजूद लोग इसका विरोध करने लगे। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने मस्जिद के अंदर जाकर युवकों को शांत करने और माहौल को काबू में करने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान किसी शरारती तत्व ने जुलूस की ओर चपल फेंक दी। इस घटना के बाद स्थिति और बिगड़ गई और कुछ बदमाशों ने मस्जिद के अंदर से जुलूस पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। देखते ही देखते दोनों समुदाय आमने-सामने आ गए और झड़प शुरू हो गई। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और जुलूस को आगे रवाना किया। हालांकि, कुछ देर बाद कथित तौर पर कुछ हिंदू कार्यकर्ताओं ने मस्जिद के

पास खड़े ठेलों में आग लगा दी, जिससे तनाव फिर बढ़ गया। इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव का माहौल बन गया और पुलिस ने सुरक्षा कड़े कर दी। आसपास के इलाके में अतिरिक्त फोर्स तैनात किया गया और प्रशासन ने लोगों से संयम बनाए रखने और किसी भी तरह की उत्तेजना से दूर रहने की अपील की। हिंदुत्व संगठनों के नेताओं ने इस घटना को लेकर मांग की है कि जुलूस पर पत्थर फेंकने वाले दोषियों के खिलाफ उचित और सख्त कार्रवाई की जाए। दूसरी ओर, जिला एसपी ने इस तनाव के लिए जिम्मेदार लोगों को चिन्हित करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और स्थिति को सामान्य करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोग और प्रशासन दोनों ही यह मानते हैं कि यह घटना कुछ शरारती तत्वों के कारण भड़की, और किसी भी छोटी-सी उत्तेजक घटना से स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। पुलिस और जिला प्रशासन ने पूरे इलाके में निगरानी बढ़ा दी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इलाके में शांति बनाए रखने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाना आवश्यक था, और भविष्य में किसी भी तरह की अग्रिय घटना से निपटने के लिए सुरक्षा इंतजाम लगातार जारी रहेंगे।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ को ठहराया अवैध ट्रंप को बड़ा झटका

असम, टीवी भारतवर्ष

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ के खिलाफ बड़ा फैसला सुनाते हुए इन्हें अवैध करार दिया है। कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया और स्पष्ट किया कि इमरजेंसी पावर्स कानून के तहत लगाए गए टैरिफ कानूनी दायरे में नहीं आते। राष्ट्रपति ट्रंप ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) के तहत दुनिया के विभिन्न देशों पर टैरिफ लगाए थे। उनका तर्क था कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए यह कदम जरूरी है। ट्रंप ने इस मामले को अमेरिकी इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक बताया था और खिलाफ फैसला दिया तो इसका अर्थव्यवस्था का लंबे समय से इंतजार है। उन्होंने दोहराया था कि राष्ट्रपति के रूप में उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर टैरिफ लगाने का अधिकार है। उनके मुताबिक कई देशों ने वर्षों तक अमेरिका का आर्थिक शोषण किया है और टैरिफ हटाए जाने पर देश “बर्बाद” हो सकता है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने फैसला सुनाते हुए

कहा कि राष्ट्रपति ने टैरिफ लगाने के लिए असीमित अधिकार का दावा किया था, जबकि कानून में ऐसी कोई स्पष्ट अनुमति नहीं दी गई है। अदालत ने कहा कि ट्रंप प्रशासन यह साबित नहीं कर सका कि संसद ने IEEPA के तहत टैरिफ लगाने की स्पष्ट मंजूरी दी है। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि इमरजेंसी पावर्स कानून राष्ट्रपति को इस प्रकार के व्यापक व्यापारिक उपाय लागू करने का अधिकार नहीं देता। फिलहाल इस फैसले पर ट्रंप की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ताकि वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें और राष्ट्रीय सुरक्षा में भी सशक्त भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती गांवों का विकास केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वहां स्वरोजगार, कौशल विकास और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य इन क्षेत्रों में पर्यटन, कृषि आधारित उद्योग और लघु उद्यमों को प्रोत्साहित कर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। शाह ने कहा कि जब सीमा के गांव समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेंगे, तब वे देश की सुरक्षा को और अधिक मजबूत आधार प्रदान करेंगे।



गुजरात के वलसाड में भीषण सड़क हादसा,

ट्रक और कार की टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

गुजरात, टीवी भारतवर्ष

गुजरात के वलसाड जिला में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कपराडा क्षेत्र के कुंभघाट के पास हुआ, जब एक ईको कार की ट्रक से आमने-सामने टक्कर हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अंबा जंगल गांव का एक परिवार ईको कार से कपराडा से नानापोंधा की ओर जा रहा था। इसी दौरान कुंभघाट के समीप उनकी कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। ट्रक इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने में जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया

है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक आशंका है कि तेज रफ्तार या वाहन नियंत्रण खोने के कारण यह दुर्घटना हुई हो सकती है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सड़क पर सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।



आईएमएफ प्रमुख ने एआई को बताया ‘सुनामी’,

40% नौकरियों पर खतरे की चेतावनी

अंतरराष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिवा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए “दोधारी तलवार” बताया है। उन्होंने कहा कि एआई जहां आर्थिक विकास और उत्पादकता को बढ़ावा दे सकता है, वहीं इसके असर से रोजगार बाजार में व्यापक बदलाव आ सकते हैं। जॉर्जिवा ने इसे “लेबर मार्केट पर सुनामी” के रूप में वर्णित किया, जो तेज, शक्तिशाली और अनदेखा नहीं किया जा सकता। नई दिल्ली में आयोजित ‘इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट’ में जॉर्जिवा ने कहा कि एआई वैश्विक जीडीपी की वृद्धि दर में सालाना 0.8 प्रतिशत अंक तक का योगदान कर सकता है। उनका कहना था कि इससे दुनिया को विड-पूर्व स्तर से भी तेज आर्थिक वृद्धि हासिल कर सकती है। उन्होंने इसे “शानदार अवसर” करार दिया और कहा कि इस तकनीक से नए रोजगार और कारोबारी संभावनाएं पैदा होंगी। भारत के संदर्भ में उन्होंने विशेष सकारात्मक रुख दिखाया। जॉर्जिवा ने कहा कि भारत की युवा आबादी, मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति एआई के प्रभाव को लोकतांत्रिक और समावेशी बनाने में मदद कर रही है। उनका कहना था कि एआई का सही इस्तेमाल करके भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने और 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता है। उन्होंने युवाओं को कौशल विकास और नवाचार के अवसरों का लाभ उठाने की सलाह दी। हालांकि, जॉर्जिवा ने चेतावनी भी दी कि एआई का प्रभाव रोजगार पर गंभीर हो सकता है। आईएमएफ के शोध के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लगभग 40% नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह प्रभाव 60% तक पहुंच सकता है। एंटी-लेवल



नौकरियां और युवा वर्ग सबसे ज्यादा जोखिम में होंगे। कुछ नौकरियां समाप्त होंगी, कुछ का स्वरूप बदल जाएगा, और कुछ उच्च कौशल और बेहतर वेतन वाली नौकरियों में तब्दील होंगी। जॉर्जिवा ने यह भी कहा कि यदि सही नीतियां और शिक्षा सुधार लागू न किए गए तो असमानता बढ़ने का खतरा है। उन्होंने सरकारों से आग्रह किया कि स्किल डेवलपमेंट, रीस्किलिंग और शिक्षा सुधार पर जोर दें। साथ ही नीतिगत ढांचा मजबूत किया जाए, ताकि एआई से होने वाले आर्थिक लाभ व्यापक और समावेशी बन सकें। उनके अनुसार, भारत जैसे युवा-आधारित देशों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, लेकिन साथ ही इसे चुनौतीपूर्ण बदलाव के रूप में भी संभालना होगा। एआई को लेकर जॉर्जिवा का यह दृष्टिकोण स्पष्ट करता है कि तकनीक न केवल अवसरों की नई लहर ला सकती है, बल्कि यदि तैयारियां समय रहते नहीं की गईं तो रोजगार और सामाजिक असमानता पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है।

प्राथमिकता दी गई है, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंच सके। धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के तहत पुरी के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पुरी को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए लगभग एक हजार करोड़ रुपये की लागत से विश्व स्तरीय संग्रहालय और अन्य बुनियादी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।





आवश्यकता

Tv भारतवर्ष ग्रुप

को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में **e रिपोर्टर** की। और पॉडकास्ट हेतु टैलेंटेड युवक ,और युवतियों की जो डिजिटल मीडिया में अपना भविष्य और पहचान बनाना चाहते है ।

इच्छुक अभ्यर्थी अपनी सीवी 8601780000 व्हाट्सपप के माध्यम से भेजे

वैश्विक टेक मंच पर भारत की बड़ी एंट्री

Pax Silica अलायंस से जुड़ा देश

दिल्ली में इंडिया AI इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत अमेरिका-नेतृत्व वाले 'Pax Silica' गठबंधन में शामिल हुआ। इसका उद्देश्य AI, सेमीकंडक्टर और जरूरी मिनरल्स सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाकर सुरक्षित व मजबूत वैश्विक टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम बनाना है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत ने वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक अहम और रणनीतिक कदम उठाया है। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया A I इम्पैक्ट समिट' के दौरान भारत आधिकारिक रूप से अमेरिका के नेतृत्व वाले वैश्विक तकनीकी गठबंधन 'Pax Silica' (पैक्स सिलिका) में शामिल हो गया। यह घोषणा नई दिल्ली में उच्चस्तरीय उपस्थिति के बीच की गई, जिसे भारत की तकनीकी कूटनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। समिट के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, अमेरिका के आर्थिक मामलों के अंडर सेक्रेटरी जैकब हेलबर्ग और राजदूत सर्जियो गोर ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में Pax Silica घोषणा पर हस्ताक्षर किए। इस औपचारिक प्रक्रिया के साथ ही नई दिल्ली इस प्रतिष्ठित वैश्विक समूह का हिस्सा बन गई। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब नई दिल्ली और वाशिंगटन ने हाल ही में दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता उस दौर के बाद आया है जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के



कारण व्यापारिक तनाव उत्पन्न हुआ था। Pax Silica एक अमेरिका-नेतृत्व वाला रणनीतिक गठबंधन है, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2025 में की गई थी। इसका उद्देश्य वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाना और गैर-सहयोगी देशों पर निर्भरता कम करना है। यह पहल आवश्यक खनिजों, सेमीकंडक्टर उत्पादन और तेजी से विकसित हो रहे AI सेक्टर में सहयोग को गहरा करने पर केंद्रित है। इसका व्यापक लक्ष्य एक सुरक्षित, भरोसेमंद और मजबूत वैश्विक सिलिकॉन एवं टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम का निर्माण करना है। इस गठबंधन का दायरा पूरी टेक्नोलॉजी सप्लाई चेन में फैला हुआ है। इसमें ऊर्जा संसाधनों और लिथियम, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति से लेकर उन्नत विनिर्माण और AI मॉडल

विकास तक के क्षेत्र शामिल हैं। सदस्य देश इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि वे मिलकर तकनीकी प्रगति, आर्थिक सुरक्षा और साझा समृद्धि को बढ़ावा देंगे। Pax Silica को भरोसेमंद साझेदार देशों के बीच एक साझा ढांचा विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि भविष्य की AI और टेक्नोलॉजी प्रणालियों को सुरक्षित और स्थायी आधार पर विकसित किया जा सके। अमेरिका के अलावा इस गठबंधन में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजराइल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम जैसे देश शामिल हैं। इन देशों की भागीदारी से यह स्पष्ट होता है कि Pax Silica को वैश्विक स्तर पर एक रणनीतिक तकनीकी मंच के रूप में देखा जा रहा है। जैकब हेलबर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि 20वीं सदी की वैश्विक

अर्थव्यवस्था तेल और स्टील पर आधारित थी, जबकि 21वीं सदी कंप्यूटर और डिजिटल प्रणालियों पर आधारित है। उन्होंने रेखांकित किया कि आधुनिक कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लिथियम और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों पर निर्भर है, जिनकी आपूर्ति को सुरक्षित और विविधीकृत करना अत्यंत आवश्यक है। उनके अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न केवल तकनीकी क्षेत्र में क्रांति ला रहा है, बल्कि वैश्विक बाजारों और सप्लाई चेन को भी नया आकार दे रहा है। भारत की इस पहल से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच आवश्यक खनिजों, सेमीकंडक्टर निर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उभरते क्षेत्र में सहयोग और गहरा होने की उम्मीद है।

नामग्या सी. खम्पा: ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस में भारत की पहली प्रतिनिधि

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास की चार्ज डी'अफेयर्स नामग्या चोडेन खम्पा ने किया। उल्लेखनीय है कि भारत ने 22 जनवरी को दावोस में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में भाग नहीं लिया था, जहाँ ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस का औपचारिक उद्घाटन किया था। इस पहल का उद्देश्य गाजा क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देना और संभावित रूप से अन्य वैश्विक संघर्षों को संबोधित करना बताया गया है। यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के विकल्प के रूप में ट्रंप द्वारा स्थापित एक संस्था है, जिसका मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और विवादों के समाधान में योगदान करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, नामग्या सी. खम्पा 2000 बैच की भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। फरवरी 2026 तक वह वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास में चार्ज डी'अफेयर्स और उप मिशन प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। राजदूत की अनुपस्थिति में वह मिशन का नेतृत्व करती हैं और भारत-अमेरिका राजनयिक संबंधों के प्रमुख पहलुओं का प्रबंधन करती हैं। अपनी वर्तमान नियुक्ति से पहले, खम्पा केन्या में भारत की उच्चायुक्त थीं और वहां उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने एवं विकास सहयोग का विस्तार किया। 2011 से 2013 तक वह संयुक्त राष्ट्र की प्रशासनिक और बजटीय मामलों की सलाहकार समिति की सदस्य रही और यूएनडीपी तथा यूएनएफपीए के कार्यकारी बोर्डों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। नवीनतम पदों में उन्होंने विदेश मंत्रालय में अमेरिका, श्रीलंका और म्यांमार से संबंधित विभागों का नेतृत्व किया और प्रधानमंत्री कार्यालय में भी प्रतिनियुक्ति पर कार्य किया। 2018 से 2020 तक खम्पा ने विकास साझेदारी प्रभाग का नेतृत्व करते हुए पड़ोसी देशों के साथ भारत की अनुदान सहायता और विकास सहयोग का प्रबंधन किया।



प्रधानमंत्री मोदी 14 मार्च को बराक घाटी दौरे पर, 22,000 करोड़ के गुवाहाटी-सिलचर एक्सप्रेसवे की करेंगे आधारशिला

तारिक रहमान का अल्पसंख्यकों के लिए ऐतिहासिक संदेश, भारत से संबंध सुधार के संकेत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपने पहले राष्ट्रीय संबोधन में धार्मिक अल्पसंख्यकों को लेकर ऐसा स्पष्ट संदेश दिया है, जिसने यूनस के शासन और कट्टरपंथी ताकतों को चौंका दिया है। उनका यह बयान न केवल बांग्लादेश के आंतरिक राजनीतिक माहौल को प्रभावित कर रहा है, बल्कि भारत के साथ संबंधों में सुधार की उम्मीदें भी जगाता है। तारिक रहमान ने कहा कि चाहे कोई नागरिक मुस्लिम हो, हिंदू हो, बौद्ध हो या ईसाई, धर्म उसकी नागरिकता को प्रभावित नहीं करता। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि यह देश हम सबका है और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा उनकी सरकार की प्राथमिकता में शामिल होगी। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले महीनों में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों और सांप्रदायिक हिंसा की लगातार खबरें सामने आती रही हैं। प्रधानमंत्री रहमान ने कहा कि उनकी सरकार ऐसे समय में सत्ता में आई है जब देश अस्थिर अर्थव्यवस्था, भ्रष्टाचार और कमजोर कानून व्यवस्था से जूझ रहा है। उन्होंने 180 दिन का मास्टर प्लान पेश किया और सभी मंत्रालयों

को तय समय सीमा में कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए। कानून व्यवस्था सुधारना, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यूनस के शासनकाल में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ कई गंभीर घटनाएं सामने आई थीं, जिसमें टारगेट किलिंग और सांप्रदायिक हिंसा शामिल थी। इन घटनाओं ने भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ा दी थी और बांग्लादेश में कट्टरपंथियों की सच्ची पहचान उजागर हुई। भारत ने भी नए प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण के मौके पर तारिक रहमान को बधाई पत्र भेजा और उन्हें दिल्ली आने का न्योता दिया। दोनों देशों के बीच फोन पर बातचीत भी हुई। इन पहलुओं से यह संकेत मिलता है कि बांग्लादेश और भारत के बीच रिश्तों में सुधार की संभावनाएं मजबूत हो रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नए प्रधानमंत्री का यह रुख बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षा की दिशा में बड़ा बदलाव ला सकता है। इसके साथ ही यह भारत और बांग्लादेश के बीच रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों को भी नई दिशा देने वाला कदम है।

PM मोदी की इजराइल यात्रा से पहले भारत का कूटनीतिक संदेश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित इजराइल यात्रा से ठीक पहले भारत ने एक ऐसा कूटनीतिक कदम उठाया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय हलकों में चर्चा तेज कर दी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में उस संयुक्त बयान का समर्थन किया है, जिसमें वेस्ट बैंक में इजराइल द्वारा नियंत्रण मजबूत करने की कार्रवाइयों की कड़ी निंदा की गई है। यह बयान 100 से अधिक देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा जारी किया गया है। इस संयुक्त वक्तव्य में यूनाइटेड किंगडम, रशिया, फ्रांस और जर्मनी जैसे प्रमुख देशों के साथ भारत ने भी डेडलाइन समाप्त होने से ठीक पहले हस्ताक्षर किए। बयान में कहा गया है कि वेस्ट बैंक में इजराइल की एकतरफा कार्रवाइयों अंतरराष्ट्रीय कानून के विरुद्ध हैं और इन्हें तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। साथ ही 1967 के बाद कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों, जिनमें पूर्वी यरूशलेम भी शामिल है, वहां की जनसांख्यिकीय और भौगोलिक स्थिति में किसी भी प्रकार के बदलाव के प्रयास को अस्वीकार्य बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र की अंडर सेक्रेटरी जनरल रोजमरी डिकालो ने भी चेतावनी दी है कि इस तरह की कार्रवाइयों 'डि-फैक्टो एनेक्सेशन' यानी



व्यवहारिक रूप से कब्जे की स्थिति बनाने की दिशा में बढ़ते कदम हो सकते हैं। यह मामला अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तक पहुंच चुका है, जहां इस पर व्यापक चर्चा की संभावना है। भारत का यह रुख इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि नई दिल्ली और तेल अवीव के बीच पिछले एक दशक में संबंधों में उल्लेखनीय मजबूती आई है, विशेषकर रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग के क्षेत्रों में। इसके बावजूद भारत ने लगातार दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन किया है। नई दिल्ली का मानना रहा है कि एक स्वतंत्र फिलिस्तीन और सुरक्षित सीमाओं के

भीतर इजराइल, दोनों का शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व ही स्थायी समाधान है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रधानमंत्री मोदी की आगामी इजराइल यात्रा के दौरान यह मुद्दा किस रूप में सामने आता है और क्या भारत पश्चिमी एशिया में अपनी सक्रिय और संतुलित भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। भारत ने इस कदम के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि मित्रता और रणनीतिक साझेदारी अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वैश्विक नियमों और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता भी उतनी ही अहम है।





संपादक की कलम से

बीसवीं सदी में वैश्विक ताकत का पैमाना मुख्य रूप से तेल और स्टील था। जिन देशों के पास ये संसाधन थे, वे न केवल आर्थिक रूप से मजबूत थे, बल्कि सैन्य और राजनीतिक क्षेत्र में भी अपना दबदबा बनाए रखते थे। तेल और स्टील ने औद्योगिक क्रांति, युद्धों और राष्ट्रवाद की दिशा तय की। इस युग की महाशक्तियां वही थीं जिनकी अर्थव्यवस्था इन बुनियादी संसाधनों पर आधारित थी। लेकिन आज 21वीं सदी की वैश्विक ताकत का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। अब दुनिया पर राज करने का निर्णय एक छोटी सी सिलिकॉन चिप कर रही है। यही चिप्स हमारी स्मार्टफोन, सुपरकंप्यूटर, ऑटोमोबाइल, रक्षा प्रणाली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों की रीढ़ हैं। तेल और स्टील की जगह अब डेटा, प्रोसेसिंग क्षमता और तकनीकी श्रेष्ठता ने ले ली है। सिलिकॉन चिप्स केवल इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं हैं; ये आधुनिक अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत के सबसे महत्वपूर्ण आधार बन गई हैं। जो देश चिप्स का उत्पादन, डिजाइन और नवाचार में अग्रणी है, वही 21वीं सदी की महाशक्ति बन रहा है। यही कारण है कि आज टेक्नोलॉजी की ताकत वैश्विक राजनीति, सुरक्षा और व्यापारिक समीकरणों को आकार दे रही है। यह बदलाव न केवल आर्थिक संरचना को प्रभावित कर रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों और रणनीतियों को भी नया आयाम दे रहा है। पहले जहां संसाधन आधारित शक्ति युद्ध और उपनिवेशवाद के केंद्र में थी, वहीं अब सिलिकॉन और डेटा आधारित शक्ति वैश्विक प्रतिस्पर्धा, वैश्वीकरण और तकनीकी श्रेष्ठता का निर्धारण कर रही है। इस नई युग की सीख स्पष्ट है – भविष्य की महाशक्तियां वे होंगी जो तकनीकी नवाचार, उच्च गुणवत्ता वाले चिप निर्माण और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में अग्रणी होंगी। अब महाशक्ति बनने के लिए केवल कच्चे संसाधन पर्याप्त नहीं हैं; ज्ञान, अनुसंधान और तकनीकी श्रेष्ठता ही निर्णायक भूमिका निभाएगी। बीसवीं सदी के युद्ध और उद्योग की राजनीति के बजाय, 21वीं सदी की शक्ति की राजनीति साइबर, डेटा और चिप्स पर आधारित है। यही समय की मांग है कि देश अपनी रणनीति और नीतियां इस नई वास्तविकता के अनुरूप तैयार करें, ताकि भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे न रहें।

एआई समिट के दौरान भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन, पांच कार्यकर्ता हिरासत में

एआई इंपैक्ट समिट में यूथ कांग्रेस ने भारत-यूएस ट्रेड डील के विरोध में प्रदर्शन किया, शर्ट उतारकर नारे लगाए। पुलिस ने पांच कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। बीजेपी ने इसे शर्मनाक बताया, वहीं पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू की।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

एआई इंपैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस ने पांच कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं ने विरोध जताने के लिए अपनी टी-शर्ट उतार दी, जिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो लगी थी। प्रदर्शन का उद्देश्य भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए ट्रेड डील के खिलाफ विरोध जताना था। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए और हाथों में पोस्टर लेकर भारत की वर्तमान आर्थिक और वैश्विक नीतियों पर सवाल उठाए। यूथ कांग्रेस के एक्स सोशल मीडिया हैंडल से साझा किए गए फोटो और वीडियो में प्रदर्शनकारियों ने लिखा, “जब विदेश नीति में झुकाव, कॉर्पोरेट दबाव और चुप्पी हावी हो तो साफ है कि पीएम मोदी कंफ्रमाइज्ड हैं। बीजेपी ने इस प्रदर्शन को शर्मनाक करार दिया और कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ऐसे प्रदर्शन कर रही है, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने व्यक्तिगत एजेंडे के लिए समिट जैसी वैश्विक घटना का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि उन्होंने पांच कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि प्रदर्शनकारी सुरक्षा नियमों



का उल्लंघन करते हुए इवेंट स्थल में कैसे पहुंचे थे। जांच के दौरान यह देखा जा रहा है कि क्या कार्यकर्ता पास के जरिए अंदर आए थे या क्यूआर कोड का इस्तेमाल किया गया। सिटी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, “हम किसी भी प्रदर्शनी गतिविधि को नियंत्रित करने के लिए तत्पर हैं। प्रदर्शनकारी कानून और नियमों का उल्लंघन नहीं कर सकते। एआई समिट जैसी वैश्विक मंच पर सुरक्षा और शांति बनाए रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।” एआई इंपैक्ट समिट में भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, तकनीकी नवाचार और वैश्विक सप्लाय चेन पर चर्चा की। इस दौरान आयोजित व्यापारिक और तकनीकी समझौतों को लेकर विरोध प्रदर्शनों का होना किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए संवेदनशील माना जाता है। यूथ कांग्रेस का कहना है कि उनका प्रदर्शन केवल भारत की वैश्विक नीतियों और रणनीतिक समझौतों पर युवाओं की चिंता को उजागर करने के उद्देश्य से था। इस घटना ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि युवा कांग्रेस का यह प्रदर्शन चुनावी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ संदेश देने का प्रयास था। वहीं बीजेपी ने

इसे कांग्रेस की असंवेदनशीलता और अंतरराष्ट्रीय मंच पर शर्मनाक रवैये के रूप में पेश किया। प्रदर्शन के दौरान मीडिया रिपोर्टों में यह भी देखा गया कि कार्यकर्ताओं ने शांति और अहिंसा के दावे के बावजूद शर्ट उतारकर और जोर-जोर से नारे लगाकर काफी ध्यान खींचा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में भी यह स्पष्ट रूप से देखा गया कि कार्यकर्ताओं ने अपने विरोध को बेहद रंगीन और दृश्यात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। दिल्ली पुलिस का कहना है कि हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जांच पूरी होने के बाद उनके खिलाफ आवश्यक प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। अधिकारी ने यह भी बताया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल को और मजबूत किया जाएगा। इस प्रदर्शन ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में बहस को जन्म दिया है कि वैश्विक मंचों पर विरोध प्रदर्शन की क्या सीमा होनी चाहिए और क्या यह देश की छवि पर प्रभाव डाल सकता है। इस पूरे घटनाक्रम ने युवाओं की राजनीतिक भागीदारी और उनकी सक्रियता को भी उजागर किया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सुरक्षा और मर्यादा बनाए रखना प्राथमिक चुनौती बनी हुई है।

रेखा गुप्ता की दिल्ली सरकार ने एक साल पूरा किया वेलफेयर योजनाओं में तेज़ी, बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर वादे अधूरे

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुआई वाली बीजेपी सरकार ने 20 फरवरी को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के एक साल पूरे कर लिए हैं। 2025 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने दिल्ली की जनता को कई वादे दिए थे, जिनके आधार पर लोगों ने अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी सरकार को सत्ता से बाहर किया और 27 साल बाद राजधानी की सत्ता बीजेपी के हाथ में चली गई। चुनाव से पहले जारी किए गए विकसित दिल्ली संकल्प पत्र 2025 में महिलाओं, छात्रों, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, प्रदूषण नियंत्रण, यमुना सफाई और कल्याण योजनाओं पर जोर दिया गया था। महिला समृद्धि योजना के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को 2,500 प्रति माह, गर्भवती महिलाओं को 21,000 अनुदान और छह न्यूट्रिशन किट्स देने का वादा किया गया था। हालांकि, अभी योजना का क्रियान्वयन शुरू नहीं हुआ है, क्योंकि पात्रता तय करने और डेटाबेस बनाने में समय लग रहा है। वहीं, 500 में एलपीजी सिलेंडर और त्योहारों पर फ्री सिलेंडर योजना की प्लानिंग पूरी हो चुकी है और इसे डीबीटी से जोड़ दिया गया है। आयुष्मान भारत योजना लागू कर दी गई है, जिसमें 5 लाख तक कवर और टॉप-अप शामिल हैं।



अब तक सात लाख से अधिक कार्ड जारी किए जा चुके हैं और आयुष्मान आरोग्य मंदिर (क्लीनिक) खोले गए हैं। अटल कैंटीन कई जगहों पर शुरू की गई है, जहां 5 में पौष्टिक भोजन उपलब्ध है। सड़कों के सुधार और नवीनीकरण के लिए 800 करोड़ से अधिक फंड जारी किया गया है, 400-600 किमी सड़कों पर काम शुरू हो चुका है। दिल्ली में 500 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं और नई बस सेवाएं भी शुरू की गई हैं। जल जीवन मिशन के तहत 2,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं से जल आपूर्ति, पाइपलाइन और सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता मजबूत होगी। यमुना सफाई और लैंडफिल हटाने की परियोजनाओं पर काम जारी है, लेकिन इन्हें पूरी तरह समाप्त होने में समय लगेगा। दिल्ली की हवा साफ करने के लिए रोड स्वीपिंग, ईवी पॉलिसी और अन्य उपाय लागू किए जा रहे हैं, लेकिन इसका असर अभी सीमित है। शिक्षा क्षेत्र में जरूरतमंद छात्रों को सरकारी संस्थानों में फ्री पढ़ाई और आर्थिक सहायता दी जा रही है। लखपति बिटिया योजना और राशन कार्ड धारकों के लिए मुफ्त सिलेंडर वितरण जैसी योजनाएं भी शुरू हो चुकी हैं। दिल्ली सरकार ने पहले साल में वेलफेयर और स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं पर तेजी से काम किया है, लगभग 40-50% वादों को लागू किया गया या शुरू किया गया है। हालांकि बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरणीय वादे अभी अधूरे हैं। सरकार का कहना है, “2025 तैयारी का साल, 2026 डिलीवरी का साल।” 2026 के अंत तक इन अधूरे वादों पर पूरा फोकस रहेगा।

कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर हंगामा; सीएम और स्पीकर ने जताया खेद

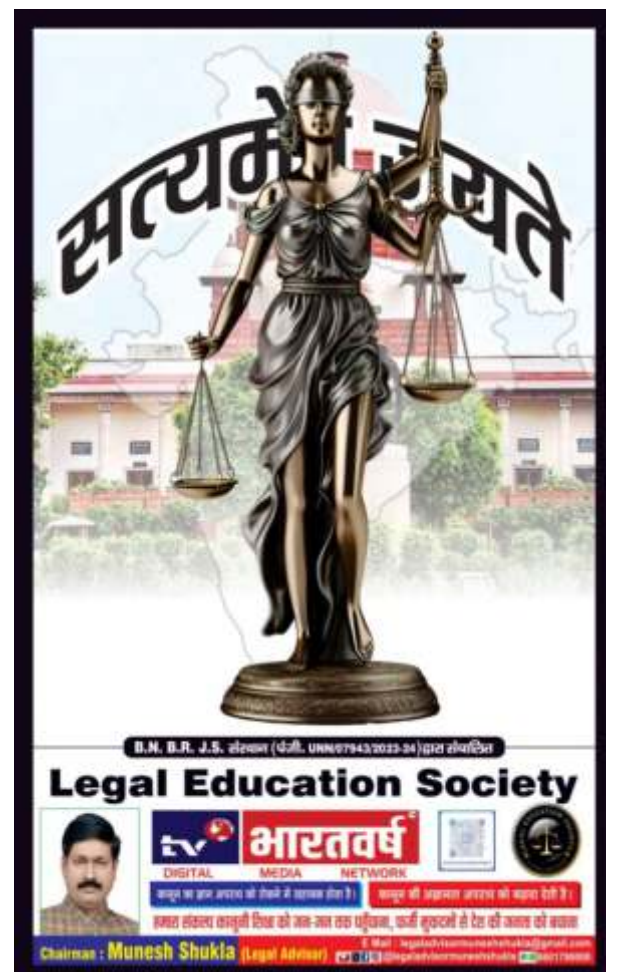
टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को उस समय तीखा विवाद खड़ा हो गया जब राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विपक्ष के नेता उमंग सिंघर के लिए असंसदीय शब्द का प्रयोग कर दिया। घटना के बाद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सदन में खेद व्यक्त किया। विवाद की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान हुई। चर्चा में भाग लेते हुए सिंघर ने सिंगरौली में राज्य सरकार और अदानी समूह के बीच हुए एक समझौते का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिजली खरीद के नाम पर 25 वर्षों में कंपनी को लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये का भुगतान करने की तैयारी कर रही है। इस पर मंत्री विश्वास सारंग ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन में उपस्थित न होने वाले किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया जाना चाहिए। वहीं विजयवर्गीय ने सिंघर पर भ्रामक और झूठी जानकारी देने का आरोप लगाया। जवाब में सिंघर ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वे अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने को तैयार हैं। इसके बाद दोनों नेताओं के

बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो आरोप-प्रत्यारोप में बदल गई। इसी दौरान विजयवर्गीय द्वारा एक असंसदीय शब्द के प्रयोग से सदन में हंगामा मच गया। विपक्षी कांग्रेस सदस्यों ने कड़ा विरोध जताते हुए विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की। दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी और शोर-शराबा बढ़ने पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। हंगामा बढ़ता देख अध्यक्ष तोमर ने सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी। कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर तोमर ने कहा कि मध्य प्रदेश विधानसभा की गौरवशाली परंपरा रही है, लेकिन आज की स्थिति असहज रही, जिसका उन्हें खेद है। उन्होंने कहा कि गुस्सा नहीं आना चाहिए था, परंतु दोनों पक्षों की ओर से भावनाएं भड़क गईं, जिससे मर्यादा प्रभावित हुई। उन्होंने यह भी कहा कि संसदीय कार्य मंत्री जैसे अनुभवी नेता से ऐसी स्थिति की अपेक्षा नहीं थी और यह हम सभी के लिए चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सदन में कहा कि जाने-अनजाने में कुछ शब्द निकल गए हैं, जिसके लिए वे माफी मांगते हैं। सिंघर ने मुख्यमंत्री की भावना का सम्मान करते हुए कहा कि वे भी संसदीय मर्यादा का पालन करते हैं और यदि उनकी ओर से



कोई त्रुटि हुई हो तो वे भी खेद व्यक्त करते हैं। इस बीच विजयवर्गीय ने अपने 37 वर्षों के राजनीतिक अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि वे अपने व्यवहार से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग मर्यादा का पालन नहीं करेंगे तो अन्य सदस्यों से अपेक्षा कैसे की जा सकती है। उन्होंने कहा, “उमंग के हाव-भाव थोड़े अलग थे... मैं उमंग को प्यार करता हूँ... मैं अपने व्यवहार से दुखी हूँ।”



EMI या क्रेडिट कार्ड की देरी पड़ सकती है भारी क्रेडिट स्कोर पर महीनों तक असर

कभी-कभी वित्तीय मामलों में की गई छोटी सी लापरवाही भी लंबे समय तक असर छोड़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आप अपनी लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड की किस्त समय पर नहीं चुकाते और भुगतान 30 दिन से अधिक देरी से करते हैं, तो इसका सीधा असर आपके क्रेडिट स्कोर पर पड़ता है। यह गिरावट महीनों तक बनी रह सकती है और भविष्य में मिलने वाले लोन महंगे हो सकते हैं। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार, रीपेमेंट हिस्ट्री क्रेडिट स्कोर का सबसे महत्वपूर्ण घटक होती है। अधिकांश स्कोरिंग मॉडलों में इसका वेटेज लगभग 30 प्रतिशत तक होता है। इसका मतलब है कि भुगतान में एक बड़ी चूक भी आपके स्कोर को उल्लेखनीय रूप से नीचे ला सकती है। देश की प्रमुख क्रेडिट ब्यूरो एजेंसियां जैसे TransUnion CIBIL और Experian India हर महीने उपभोक्ताओं के भुगतान का रिकॉर्ड अपडेट करती हैं। यह विवरण आमतौर पर 36 महीनों तक क्रेडिट रिपोर्ट में दिखाई देता है। यदि किसी खाते में 30 दिन से अधिक की देरी दर्ज होती है, तो यह तुरंत रिपोर्ट में प्रदर्शित होती है और ऋणदाता उसी आधार पर आपकी साख का आकलन करते हैं। फिनटेक



प्लेटफॉर्म ZET के सीईओ मनीष शर्मा के अनुसार, रीपेमेंट हिस्ट्री स्कोर का सबसे बड़ा निर्धारक है। वहीं TransUnion CIBIL के आंकड़ों के मुताबिक, एक मिस्ट पेमेंट का असर दो साल तक बना रह सकता है, जबकि लेट पेमेंट की एंट्री तीन साल तक रिपोर्ट में दर्ज रहती है। कम क्रेडिट स्कोर का असर केवल एक संख्या तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका सीधा प्रभाव आपकी जेब पर पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई व्यक्ति 10 लाख रुपये का पर्सनल लोन पांच साल के लिए लेता है और उसका क्रेडिट स्कोर 750 से ऊपर है, तो उसे 10.5 से 12 प्रतिशत

तक की ब्याज दर मिल सकती है। लेकिन यदि स्कोर गिरकर 700 से नीचे चला जाता है, तो ब्याज दर 14 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। इस अंतर के कारण पूरे लोन अवधि में 90,000 रुपये या उससे अधिक अतिरिक्त ब्याज चुकाना पड़ सकता है। यह अंतर केवल बड़े लोन तक सीमित नहीं है। छोटे कर्ज पर भी ब्याज दर बढ़ने से हजारों रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ आ सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि एक बार की चूक के बाद स्थिति सुधारी जा सकती है। फिनटेक कंपनी Kiwi के सह-संस्थापक अनूप अग्रवाल के अनुसार, यदि आगे

नियमित और समय पर भुगतान जारी रखा जाए, तो 6 से 12 महीनों के भीतर स्कोर में सुधार दिखाई देने लगता है। इसी तरह SURE के विकास ताराचंदानी और Fibe के अक्षय मेहरोत्रा का भी मानना है कि लगातार समय पर भुगतान करने से नकारात्मक प्रभाव स्थायी नहीं रहता। विशेषज्ञों की सलाह है कि उपभोक्ता अपने भुगतान की तारीखों का ध्यान रखें, ऑटो-डेबिट या रिमाइंडर जैसी सुविधाओं का उपयोग करें और वित्तीय अनुशासन बनाए रखें। एक छोटी सी देरी से बचकर भविष्य में बड़े आर्थिक बोझ से बचा जा सकता है।

पाकिस्तान क्रिकेट में बयानबाजी तेज, शादाब और अफरीदी आमने-सामने

टी20 विश्व कप 2026 के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट में आंतरिक विवाद गहरा गया है। भारत से मिली हार के बाद मौजूदा खिलाड़ियों और पूर्व दिग्गजों के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब आलराउंडर शादाब खान ने पूर्व खिलाड़ियों, विशेषकर शाहिद अफरीदी और मोहम्मद यूसुफ की आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि कम से कम वह उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने विश्व कप में भारत को हराया, जो पिछली पीढ़ी नहीं कर सकी। कोलंबो में 15 फरवरी को भारत से हार के बाद अफरीदी और यूसुफ ने टीम प्रबंधन से बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और शादाब खान जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को बाहर कर युवा खिलाड़ियों को मौका देने की मांग की थी। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए शादाब ने 2021 टी20 विश्व कप में भारत पर मिली जीत का उल्लेख किया। यह विश्व कप इतिहास में पाकिस्तान की भारत पर एकमात्र जीत है। हालांकि नामीबिया के खिलाफ 102 रन की जीत में 36 रन और तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद शादाब का बयान विवाद का कारण बन गया। एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल पर अफरीदी ने पलटवार करते हुए कहा, “शादाब ने ठीक कहा कि हम नहीं जीते, वे जीते। उन्हें इज्जत मिली, लेकिन वे उसे संभाल नहीं पाए।” अफरीदी ने कहा कि 2021 की ऐतिहासिक जीत के बाद टीम उस सफलता को बरकरार नहीं रख सकी। अफरीदी ने यह भी याद दिलाया कि जब शादाब का प्रदर्शन गिरा था, तब पूर्व खिलाड़ी ही उनके समर्थन में खड़े थे। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में जवाब बल्ले और गेंद से दिया जाता है और बड़ी टीमों के खिलाफ प्रदर्शन ही असली कसौटी है। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम मैनेजर नावीद चीमा के माध्यम से शादाब को शब्दों की मर्यादा बनाए रखने और पूर्व खिलाड़ियों के प्रति सम्मान दिखाने का संदेश दिया है। विवाद के बीच टीम का माहौल चर्चा का विषय बना हुआ है।



कप्तान राशिद ने कोच ट्रॉट को दी भावपूर्ण विदाई: कहा, 'उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है'

'द हंड्रेड' से भी भगाए जाएंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी?

पाकिस्तानी क्रिकेट खिलाड़ियों ने आगामी द हंड्रेड लीग के लिए अपने नामांकन करवा दिए हैं, लेकिन कई भारतीय मालिकों वाली टीमों में फिलहाल पाकिस्तानियों पर बोली लगाने से बच रही हैं। इस स्थिति के पीछे मुख्य कारण भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंध और आईपीएल टीमों के व्यापारिक हित हैं। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आघा, पूर्व कप्तान शाहीन शाह आफरीदी, सलामी बल्लेबाज सैम आयुब, और स्पिनर उसमान तारिक सहित लगभग 63 पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने द हंड्रेड के लिए नामांकन कराया है। ऑक्शन 11 और 12 मार्च को होना है। द हंड्रेड में 8 टीमों हैं, जिनमें से 6 का स्वामित्व भारतीयों के पास है। मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपरजायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसी टीमों में मुख्य रूप से इसमें शामिल हैं। फिलहाल ये टीमों पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली लगाने के मूड में नहीं हैं। भारतीय टीमों की तरफ से बोली न होने के कारण, पाकिस्तानी खिलाड़ियों के लिए विदेशी लीग में खेलने के अवसर सीमित हो रहे हैं। विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन के

बावजूद, इस प्रतिबंध का प्रभाव उनके करियर और अंतरराष्ट्रीय अनुभव पर पड़ सकता है। द हंड्रेड में आठ टीमों खेलती हैं, जिनमें से छह का स्वामित्व भारतीयों के पास है। ऐसे में इन टीमों ने फिलहाल किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी पर बोली लगाने का इरादा नहीं जताया है। इसका कारण भारत के साथ उनका जुड़ाव और आईपीएल से संबंध है। मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपरजायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसी टीमों इसमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि ऑक्शन 11 और 12 मार्च को आयोजित किया जाएगा, लेकिन अभी तक किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने द हंड्रेड के लिए नाम नहीं दिया है। यह स्थिति पाकिस्तानी खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है, क्योंकि विदेशी लीग में खेलने का मौका अभी उनके लिए सीमित नजर आ रहा है। इस तरह, जबकि पाकिस्तान क्रिकेट टीम विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, विदेशी लीगों में उनके खिलाड़ियों की संभावनाओं पर फिलहाल रोक लगती दिख रही है।

अश्विन ने भारत के ग्रुप प्रदर्शन का विश्लेषण

टी20 वर्ल्ड कप में भारत का ग्रुप चरण समाप्त हो गया है और टीम अब सुपर 8 मुकाबलों की तैयारी में जुट गई है। अगले दौर में भारत को दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। डिफेंडिंग चैंपियन की भूमिका निभाते हुए टीम ने ग्रुप चरण में संतोषजनक प्रदर्शन किया है, लेकिन अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम अभी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं पहुंची है। अश्विन ने 'ऐश की बात' कार्यक्रम में भारत के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए कहा, “सूर्यकुमार यादव ने बेहद समझदारी से पारी खेली। रन गति बढ़ाने के लिए शुभमन, हार्दिक पांड्या और रिकू सिंह जैसी बल्लेबाज मौजूद थे। उन्हें पता था कि वे स्कोरिंग रेट को संभाल सकते हैं। लेकिन नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत की बल्लेबाजी पूरी तरह प्रभावशाली नहीं रही। हम औसत प्रदर्शन कर रहे थे, अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे।” उन्होंने गेंदबाजी को टीम की सबसे बड़ी ताकत बताया और कहा, “वरुण चक्रवर्ती ने बेहतरीन गेंदबाजी की, जिसे नीदरलैंड्स समझ ही नहीं पाया। जसप्रीत बुमराह



को पावरप्ले में रिविंग मिली और उन्होंने अहम यॉर्कर भी डाले। यही हमारी टीम की ताकत है कि कमजोर दिन में भी परिणाम को अपने पक्ष में करने में हम सफल हो जाते हैं।” अश्विन के अनुसार, टीम की सामूहिक क्षमता और रणनीति ही भारत की सफलता की कुंजी है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सुपर 8 चरण में भारत को और अधिक सतर्कता और उच्च प्रदर्शन की जरूरत होगी, क्योंकि अब मुकाबले मजबूत विरोधियों के खिलाफ होंगे। इस प्रदर्शन विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय टीम ग्रुप चरण में सफलता के बावजूद सुधार के मार्ग पर है और सुपर 8 मुकाबलों में अपने स्तर को और ऊंचा करने की कोशिश करेगी।

अफगानिस्तान टीम को अलविदा कहते हुए भावुक हुए कोच जोनाथन ट्रॉट

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रहे जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपने पद को अलविदा कह दिया। टीम के साथ बिताए समय और उपलब्धियों को याद करते हुए वह भावुक नजर आए। ट्रॉट को जुलाई 2022 में यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह पद पहले उनके पूर्व इंग्लैंड साथी ग्राहम थॉर्प को प्रस्तावित किया गया था, लेकिन उनके असमर्थ होने के बाद ट्रॉट को यह अवसर मिला। अफगानिस्तान ने सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में कनाडा को 82 रन से हराकर अभियान का समापन किया। मैच के बाद मीडिया से बातचीत में ट्रॉट ने अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि यह अनुभव उनके लिए बेहद खास रहा। उनके नेतृत्व में अफगानिस्तान ने 2023 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके बाद 2024 टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची, जो

अफगान क्रिकेट के इतिहास की बड़ी उपलब्धियों में गिनी जाती है। मैच के बाद ट्रॉट ने कहा, “शायद यह समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य के लिए सभी को शुभकामनाएं देता हूँ। मैं इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूँ। यह मौका मुझे वास्तव में सौभाग्य से मिला। ग्राहम थॉर्प को यह भूमिका मिलनी थी, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं कर सके। फिर यह प्रस्ताव मुझे दिया गया और मैंने पूरे जोश के साथ इसे स्वीकार किया।” दक्षिण अफ्रीका में जन्मे ट्रॉट ने कहा कि उन्होंने अपनी भूमिका को पूरी निष्ठा से निभाने की कोशिश की। उन्होंने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी उनके खेल के प्रति प्रेम और समर्पण को समझ पाए होंगे। ट्रॉट के अनुसार, उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी संतुष्टि खिलाड़ियों के व्यक्तिगत विकास को देखना रहा। उन्होंने कहा, “मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यह रही कि मैंने खिलाड़ियों को मैदान के



बाहर भी विकसित होते देखा। उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खिलाड़ियों और उनके परिवारों की किस्मत और दिशा बदल सकता है। इस प्रक्रिया का छोटा सा हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा।” ट्रॉट के विदाई संदेश ने यह स्पष्ट कर दिया कि उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट के साथ बिताए समय को केवल पेशेवर जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा के रूप में जिया।

लद्दाख से आया दुर्लभ वीडियो वायरल

बर्फ में खेलते दिखे स्नो लेपर्ड

वीडियो में ये तीनों स्नो लेपर्ड बर्फीली ढलान पर एक-दूसरे के करीब चलते दिखाई देते हैं। उनके फूले हुए ग्रे-सफेद फर बर्फ की सफेदी के बीच एक अलग ही चमक पैदा करते हैं। एक लेपर्ड पहाड़ी की तरफ बढ़ता है जबकि बाकी दो उसके पीछे-पीछे चलते हैं।

लद्दाख की ऊँची, ठंडी पहाड़ियों से एक ऐसा दृश्य सामने आया है जिसने वन्यजीव प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। गहरी बर्फ में एक साथ चलते तीन स्नो लेपर्ड दिखाई दिए। ये वही लेपर्ड हैं जिन्हें उनकी छुपने की क्षमता के कारण 'पहाड़ों के भूत' भी कहा जाता है। इस दुर्लभ क्षण को बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (BRO) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर किया और वीडियो देखते



वीडियो में ये तीनों स्नो लेपर्ड बर्फीली ढलान पर एक-दूसरे के करीब चलते दिखाई देते हैं (Photo:X/@BROindia)

ही देखते वायरल हो गया। वीडियो में ये तीनों स्नो लेपर्ड बर्फीली ढलान पर एक-दूसरे के करीब चलते दिखाई देते हैं। उनके फूले हुए ग्रे-सफेद फर बर्फ की सफेदी के बीच

एक अलग ही चमक पैदा करते हैं। एक लेपर्ड पहाड़ी की तरफ बढ़ता है जबकि बाकी दो उसके पीछे-पीछे चलते हैं। अंत में एक लेपर्ड धीरे-धीरे ढलान से नीचे उतरता दिखाता

है। पूरा दृश्य इतना शांत और सुंदर है कि इसे बार-बार देखने का मन करता है। BRO ने वीडियो के कैप्शन में लिखा कि हाई हिमालयाज में दिखाएलूसिव स्नो लेपर्ड। 🐾



चंबा की पहाड़ियों में हिमालयन तहर की झलक

विशाल आनंद, आजतक

हिमालयी इलाकों में बर्फबारी के दौरान वन्यजीवों को देख पाना आमतौर पर बेहद मुश्किल होता है। लेकिन इस बार हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की दुर्गम पांगी घाटी से एक अनोखी और दुर्लभ झलक सामने आई है। भारी बर्फ से ढकी पहाड़ियों के बीच संकटग्रस्त प्रजाति हिमालयन तहर (Himalayan Tahr) दिखाई दिया है। ताने बर्फीले मौसम में इसका दिख जाना वन्यजीव प्रेमियों के लिए किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं है। 🐾

डॉग एक्सपर्ट का वीडियो हो रहा वायरल

जब कुत्ते पीछे पड़ जाए तो क्या करें!

इंटरनेट पर ऐसे रील्स और वीडियो वायरल होते रहते हैं, जिनमें कुछ लोग स्पेशलिस्ट होने का दावा कर रोजमर्रा की जिंदगी के प्रॉब्लम सॉल्व करने के ट्रिक या हैक बताते दिख जाते हैं।

ऐसा ही एक वायरल वीडियो एक डॉग बिहेवियर स्पेशलिस्ट होने का दावा करने वाली महिला का है, जो लोगों को आवाज़ कुत्तों के हमले के वक्त क्या करना चाहिए ये बता रही है। सोशल मीडिया पर कुत्तों के हमले के काफी वीडियो वायरल होते रहते हैं। इसी कड़ी में एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें एक महिला पर एक साथ दर्जनों कुत्ते झपटते दिख रहे हैं। फिर अचानक



से एक महिला स्कूटी से आती है और सभी कुत्तों को भगा देती है। क्योंकि उनके हाथ में दूध का कंटेनर था और उससे महिला कुत्तों को डराने की कोशिश करती है, जिससे वो भाग जाते हैं। इस वीडियो के बीच में ही अचानक से एक महिला का चेहरा सामने आता है। 🐾

कोई हथकड़ी में तो कोई दीवार फांदकर पहुंचा एग्जाम देने

बिहार में 12वीं परीक्षा का हाल

बिहार में 12वीं बोर्ड की परीक्षा शुरू हो चुकी है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर एग्जाम ऐसे जुड़े वीडियो वायरल होने लगे हैं, जिसे देखकर कोई भी चौंक जाए। सबसे ज्यादा वीडियो वेबसे सेंटर से वायरल हो रहे हैं, जहां समय की पाबंदी की वजह से परीक्षार्थियों को एग्जामिनेशन हॉल में घुसने ही नहीं दिया गया। ऐसे में कुछ छात्र-छात्राओं ने अंदर जाने के ऐसा तरीका आजमाया जिसे देखकर आप भी हैरान रह जाएंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे कई सारे वीडियो वायरल हो रहे हैं, जो इंटर की परीक्षा से जुड़े बताए जा रहे हैं। कहीं कोई दीवार फांदता दिखाई दे रहा है, तो कहीं भीड़ अफसरों को घेरकर करियर बर्बाद होने की दुहाई देती दिखाई दे रही है। किसी सेंटर



के बाहर लाठी चार्ज हो रहा है तो कहीं हिरासत में बंद हाथ में हथकड़ी लगाए परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे दिख रहे हैं। बिहार के एक सेंटर से ऐसा भी वीडियो सामने आया जहां एक छात्रा दीवार फांदकर अंदर जाती दिखाई दी। दावा किया जा रहा है कि ये इस साल के इंटरमीडिएट परीक्षा का वीडियो है। इसे हिलसा स्थित एक परीक्षा केंद्र का बताया

जा रहा है। यहां सेंटर का गेट बंद कर दिया गया था। इसके बाद छात्रा दीवार फांदकर अंदर जाने का प्रयास करती दिखाई दे रही है। वहीं बिहार के जहानाबाद के रतनी प्रखंड के शकुराबाद के परीक्षा केंद्र का भी एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें न्यायिक हिरासत में बंद दो परीक्षार्थी हाथ में हथकड़ी लगाए परीक्षा देने पहुंचे हुए थे। 🐾

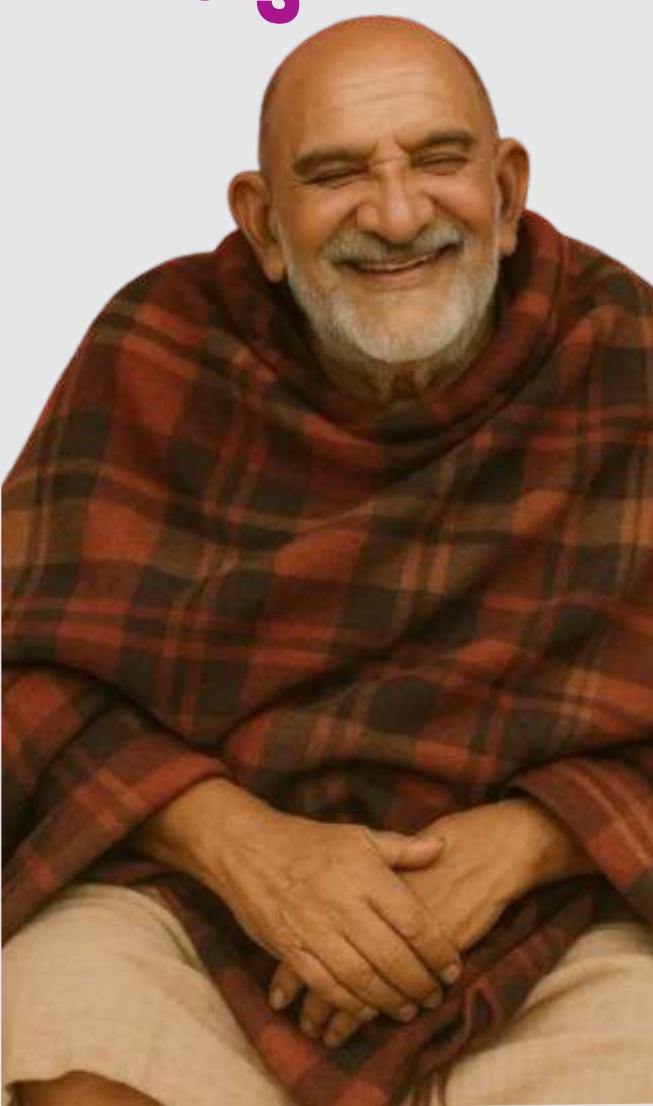
नीम करौली बाबा पर आधारित भक्ति फिल्म 'हनुमान अंश' का पोस्टर हुआ रिलीज

नीम करौली बाबा पर आधारित भक्ति फिल्म 'हनुमान अंश' की तैयारियां पूरी हो गई हैं और इसके आधिकारिक पोस्टर का विमोचन कर दिया गया है। स्वयंभू मीडिया नेटवर्क ने वृंदावन स्थित बाबा की पवित्र समाधि पर इस भक्ति फिल्म के पोस्टर को जारी किया। फिल्म का पोस्टर दर्शकों में आध्यात्मिक उत्साह और भावनात्मक जुड़ाव को बढ़ा रहा है, क्योंकि इसमें बाबा के दिव्य व्यक्तित्व और भक्तों के प्रति उनकी करुणा को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। 'हनुमान अंश' फिल्म का कथानक नीम करौली बाबा के जीवन, उनके



चमत्कारों और उनके भक्तों के प्रति अनन्य प्रेम पर आधारित है। निर्माताओं ने बताया कि फिल्म का स्वरूप पूरी तरह से भक्ति और आध्यात्मिकता से प्रेरित है, और यह दर्शकों को बाबा के दर्शन और उनकी शिक्षाओं से जोड़ने का प्रयास करती है। पोस्टर में बाबा के प्रतीकात्मक रूप, उनके आध्यात्मिक संदेश और

भक्तों के श्रद्धा भाव को प्रमुख रूप से दिखाया गया है। फिल्म निर्माता बताते हैं कि 'हनुमान अंश' को 'डिवाइन डेयूर' जैसी प्रेरणादायक फिल्मों से प्रेरित होकर बनाया गया है, जिनमें धार्मिक और आध्यात्मिक कहानियों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। निर्देशक का कहना है कि इस फिल्म का उद्देश्य न केवल बाबा की जीवनी को प्रस्तुत करना है, बल्कि नई पीढ़ी को उनके आध्यात्मिक संदेश से जोड़ना भी है। स्वयंभू मीडिया नेटवर्क के प्रवक्ता ने बताया कि फिल्म की शूटिंग वृंदावन और आसपास के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर की गई है, ताकि दर्शकों को वास्तविक वातावरण में बाबा के जीवन और उनके कर्मों का अनुभव हो। फिल्म में कलाकारों ने बाबा के भक्तों के प्रति समर्पण और उनकी शिक्षाओं की भावनाओं को अत्यंत संवेदनशील और प्रभावशाली तरीके से प्रदर्शित किया है। निर्माताओं ने आधिकारिक घोषणा की है कि फिल्म जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से पहले फिल्म के प्रमोशन की योजना भी बनाई गई है, जिसमें पोस्टर रिलीज, सोशल मीडिया कैपेन और वृंदावन में विशेष इवेंट शामिल हैं। विशेष रूप से, यह फिल्म भक्तों के लिए श्रद्धा का प्रतीक बन जाएगी और नीम करौली बाबा के संदेश को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करेगी। फिल्म की टीम का कहना है कि 'हनुमान अंश' दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभव के साथ-साथ सकारात्मक संदेश भी देगा, जिससे लोग अपने जीवन में श्रद्धा और भक्ति की भावना को महसूस कर सकेंगे। इस फिल्म की प्रतीक्षा भक्त समुदाय और आध्यात्मिक फिल्म प्रेमियों में खासा बढ़ गई है, और पोस्टर रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर उत्साह और चर्चा तेज हो गई है।



त्योहारों से पहले एफएसडीए का मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त रुख

लखनऊ में होली और त्योहारों से पहले एफएसडीए ने मिलावटखोरी रोकने सख्त अभियान शुरू किया। 400 दुकानों को नोटिस, जागरूकता अभियान, अचानक छापेमारी, और उपभोक्ताओं से शिकायत की अपील की गई है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

होली समेत अन्य त्योहारों को देखते हुए राजधानी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी कर ली है। विभाग ने शहर की करीब 400 मिठाई, डेयरी और किराना दुकानों को नोटिस जारी किया है। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि किसी भी प्रकार का मिलावट या मानकविहीन खाद्य पदार्थ बिक्री में पाया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एफएसडीए अधिकारियों ने आम जनता से भी अपील की है कि संदिग्ध खाद्य सामग्री की जानकारी तुरंत विभाग को दें। अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने के साथ मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है, इसलिए इस बार पहले से ही सख्ती बरती जा रही है। पिछली दिवाली पर भी विभाग ने विशेष अभियान चलाकर सैकड़ों दुकानों से नमूने लिए थे। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों पर मानक के विपरीत मिठाई, खोया, पनीर और तेल के नमूने पाए गए थे। कुछ मामलों में जुर्माना और लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई भी की गई थी। विभाग ने केवल



नोटिस जारी करने तक खुद को सीमित नहीं रखा है, बल्कि शहर में जागरूकता अभियान भी शुरू किया है। दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा मानकों की जानकारी दी जा रही है और लाइसेंस, स्वच्छता तथा गुणवत्ता संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। एफएसडीए ने आम उपभोक्ताओं को भी सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि पैकड खाद्य पदार्थ खरीदते समय एफएसएसआई लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट अवश्य जांचें। वहीं, खुली मिठाई या डेयरी उत्पाद खरीदते समय साफ-सफाई और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। शहर भर में कई टीमें गठित की गई हैं, जो अचानक छापेमारी कर दुकानों के नमूने संग्रहित करेंगी। संवेदनशील इलाकों और थोक बाजारों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि

नमूना संग्रहण के साथ-साथ ऑन-द-स्पॉट निरीक्षण भी किया जाएगा। जांच में मिलावट पाए जाने पर एफआईआर दर्ज कराने से लेकर भारी जुर्माना और लाइसेंस निरस्तीकरण तक की कार्रवाई होगी। विशेष रूप से पनीर और अन्य दुग्ध पदार्थों के मामले में एफएसडीए ने चेतावनी दी है कि केवल विश्वसनीय दुकानों से ही खरीदारी करें। विभाग के अनुसार, नकली या घटिया पनीर आसानी से मुंह में नहीं घुलता, पकने में समय लेता है और दांतों में चिपक जाता है। असली पनीर की तुलना में नकली पनीर हल्के पीले रंग का होता है, जबकि शुद्ध पनीर पूरी तरह सफेद होता है। सीतापुर रोड स्थित डेयरी संचालक विकास ने बताया कि त्योहारों के दौरान घटिया पनीर और सिंथेटिक पनीर की मांग बढ़ जाती है। इसका फायदा उठाकर कुछ लोग घटिया सामग्री बेचते हैं।

सिंथेटिक पनीर बनाने में स्क्रिम्ड मिल्क, खाने वाला सोडा, पॉम ऑयल, वेजीटेबल ऑयल और बेकिंग पाउडर का उपयोग किया जाता है। एफएसडीए ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि किसी दुकान पर मिलावट की आशंका हो तो तुरंत शिकायत दर्ज कराएँ। शिकायत के लिए मुख्यालय की टोल-फ्री हेल्पलाइन 18001805533 और जनपद स्तरीय कलेक्ट्रेट कार्यालय हेल्पलाइन +915223514492 पर संपर्क किया जा सकता है। एफएसडीए का कहना है कि शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है और त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपभोक्ताओं की सतर्कता ही मिलावटखोरी पर प्रभावी रोक लगाने में मदद कर सकती है।



भाजपा विधायक के भतीजे के मुसाइद मामले में FIR

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

सुरात गोल्फ सिटी स्थित रिशिता मैनहैटन अपार्टमेंट में एक फरवरी को गोंडा के भाजपा विधायक विनय द्विवेदी के भतीजे शुभम त्रिपाठी ने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मृतक के पिता राजेश कुमार त्रिपाठी की तहरीर पर पुलिस ने शुभम के दोस्त सौरभ पांडे और उसकी पत्नी अर्चना उर्फ ममता पांडे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पिता राजेश कुमार ने आरोप लगाया है कि सौरभ और उसकी पत्नी ने अपने आप को भरोसेमंद बताते हुए उनके बेटे को प्रॉपर्टी कारोबार में निवेश के लिए फंसाया। शुभम ने पहले 18 लाख रुपये निवेश किए थे। इसके बाद आरोपियों के कहने पर उन्होंने 22 लाख रुपये और दिए। इसके बावजूद आरोपियों ने लगातार और अधिक पैसे की मांग जारी रखी। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि जब शुभम ने अपने निवेश और मुनाफे का हिसाब मांगा, तो आरोपियों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ गहन जांच की जा रही है और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही निवेश के सभी लेन-देन का भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि इस तरह के मामलों में मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने राजधानी में निवेश और व्यक्तिगत रिश्तों में विश्वास की रक्षा की आवश्यकता पर भी चिंता बढ़ा दी है।

दुबग्गा इलाके में मंदिर पुजारी की निर्मम हत्या शव 20 फीट गहरे गड्ढे में मिला

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के दुबग्गा इलाके में शुक्रवार की रात मंदिर के पुजारी कल्लू प्रजापति उर्फ कल्लू बाबा (60) की निर्मम हत्या कर दी गई। उनका शव मंदिर के पीछे करीब 20 फीट गहरे गड्ढे में पड़ा मिला। मौके पर जांच में उनके माथे पर गंभीर चोट के निशान और गला घोटने के संकेत मिले। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना दुबग्गा इलाके की आश्रयहीन कॉलोनी में हुई। सुबह करीब 8 बजे स्थानीय निवासी गोलू ने मंदिर के पास गड्ढे में शव देखा और तुरंत पुलिस और कॉलोनी के लोगों को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने पहले पुजारी को मंदिर से बाहर खींचकर सड़क पर बेरहमी से पीटा। उनके माथे पर किसी भारी वस्तु से वार किए गए और गला घोटने के बाद शव को नाली में फेंक दिया। बाद में मृतक को मंदिर के पीछे गड्ढे में फेंक दिया गया। कल्लू बाबा करीब 40 साल से शीतला माता मंदिर में रहकर पूजा-पाठ करते थे। उनके परिवार के अनुसार, उनके पड़ोस में रहने वाली एक महिला और उसके दो भाईयों के साथ कल्लू बाबा की विवादित स्थिति थी। महिला गांजा बेचती थी और उनके भाई उसका समर्थन करते थे। घटना की रात इस महिला और पुजारी के बीच मंदिर की लाइट बंद करने को लेकर कहासुनी हुई थी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, जिसमें इस एंगल की पुष्टि हुई। मृतक कल्लू बाबा मूल रूप से नेवतनी, मोहन रोड, थाना हसनगंज, जिला



उन्नाव के निवासी थे। उनके दो भाई पुत्ती लाल और कमल बाबू हैं, जबकि एक भाई भोलाई की मृत्यु हो चुकी है। शीतला माता मंदिर, जहां कल्लू बाबा पूजा करते थे, का निर्माण गुड्डू लोधी ने कराया था। कल्लू बाबा गायों की सेवा भी करते थे और स्थानीय लोगों में उनकी धार्मिक और सामाजिक भूमिका मानी जाती थी।

पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई करने का प्रयास कर रही है। शुरुआती जांच में विवाद और निजी कलह को हत्या का संभावित कारण माना जा रहा है।

लखनऊ में फर्जी फर्म से करोड़ों का GST धोखाधड़ी, 3 गिरफ्तार, चार फरार

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में फर्जी दस्तावेजों के सहारे फर्म रजिस्टर कर करोड़ों रुपए का फर्जी लेनदेन और 37 लाख रुपए का GST चुराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी समेत चार अन्य अभी भी फरार हैं।

डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि 3 नवंबर 2025 को भगवती चरण वर्मा ने महानगर का फर्जी पता दिखाकर M/S केएस इंटरप्राइजेज नाम से GST नंबर लिया था। फर्म के नाम पर करोड़ों की खरीद-बिक्री दिखाई गई, लेकिन जांच में पता चला कि दिए गए पते पर न तो कोई दफ्तर है और न ही फर्म का कोई अस्तित्व। मकान मालिक ने भी इसकी पुष्टि की कि यह पूरी तरह फर्जी पते पर रजिस्टर्ड था। जांच में यह भी सामने आया कि दीपक नामक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपने बैंक खातों का इस्तेमाल करते हुए फर्जी फर्म के जरिए करीब 4 करोड़ 70 लाख रुपए का लेनदेन किया। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का लाभ उठाकर सरकार को 37,52,545 रुपए का राजस्व नुकसान पहुंचाया गया। जांच में पता चला कि लेनदेन की राशि में से



करीब 15 लाख रुपए चार चेक के जरिए प्रशांत तिवारी को दिए गए, जिन्हें उसने व्यक्तिगत धरोखत में इस्तेमाल किया। वहीं, कैलाश मौर्या पर फर्जी मुहर बनवाकर बैंक खाते खोलने और GST चोरी में सहयोग करने का आरोप है। अपराधियों ने जल्दी पैसा कमाने की लालच में फर्जी बिजली बिल तैयार किया, जिसे आधार बनाकर GST रजिस्ट्रेशन कराया। पुलिस ने मामले की गंभीरता बताते हुए कहा कि फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए व्यापक जांच जारी है और उनके ठिकानों का पता लगाने के लिए टीम गठित की गई है। इस मामले ने GST धोखाधड़ी और फर्जी कंपनियों के माध्यम से राजस्व हानि के बढ़ते खतरे को उजागर किया है, वहीं प्रशासन ने ऐसे मामलों पर कड़ी नजर रखने की बात कही है।

लखनऊ में वकील को दौड़ा-दौड़ाकर मारा



टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में प्राइवेट हॉस्पिटल के करीब 30 बाउसंग-गाडों ने वकील और उनके दो दोस्तों की जमकर पिटाई की। वकील को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। दोस्तों को जमीन पर गिराकर लाठी-डंडे और रॉड से मारा। वकील का सिर फट गया। दोस्त भी घायल हो गए। तीनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। वकील ने मामले की पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने कई गाडों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। घटना 19 फरवरी, गुरुवार रात ठाकुरगंज इलाके के एरा हॉस्पिटल की है। न्यू हैदरगंज के रहने वाले वकील आदर्श सिंह के दोस्त शुभम यादव की मां का एरा हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। वह उन्हें देखने गए थे। स्कॉर्पियो खड़ी करने के विवाद में गाडों ने उनकी और दोस्तों की पिटाई की।

लखनऊ-चित्रकूट नई बस सेवा का शुभारंभ, दया शंकर सिंह पहुंचे एक घंटे लेट

लखनऊ में माल एवेन्यू-1 से लखनऊ-चित्रकूट नई बस सेवा की शुरुआत शुक्रवार को हुई। इस मौके पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल और परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह को हरी झंडी दिखाकर बस को चित्रकूट (हनुमानगंज) के लिए रवाना करना था। हालांकि, कार्यक्रम स्थल पर आशीष पटेल 10 बजे समय पर पहुंचे, लेकिन दया शंकर सिंह करीब एक घंटे लेट होकर 11 बजे पहुंचे। मंत्री आशीष पटेल ने देर से आने पर कहा, “जिसका दिल बड़ा होता है, उनके पास लोग बड़े होते हैं। जब लोग बड़े होते हैं तो उनका विलंब से आना स्वाभाविक है। यह इनके स्वभाव में है कि किसी को मना नहीं कर पाते।” थक जाने पर आशीष पटेल ने अपने घर से कुर्सी मंगवाई और सड़क किनारे पेड़ के नीचे बैठकर इंतजार किया। यह पहली बार नहीं है जब परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह कार्यक्रम में देर से पहुंचे हों। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

भी इससे पहले उनके देर पहुंचने पर चुटकी ली थी। आशीष पटेल ने कहा कि मंत्री का दिल बहुत बड़ा है और जब कोई उनसे मांगता है तो वह पूरी करते हैं। इस बार भी मेरी मांग पूरी हुई। नई बस सेवा लखनऊ से चित्रकूट के बीच ऊंचाहार, लेहदरी गंगा पुल, सिराथू, राजापुर होते हुए हनुमानगंज पहुंचेगी। हनुमानगंज हनुमानधारा के निकट स्थित एक धार्मिक स्थल है। इस बस सेवा से श्रद्धालुओं और स्थानीय यात्रियों को सीधे और सुगम यात्रा का विकल्प मिलेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में आसानी होगी। परिवहन विभाग के अनुसार, यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए इस रूट पर नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर बसों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी ताकि क्षेत्रीय संपर्क और



अधिक सशक्त हो सके। नई बस सेवा से लखनऊ और चित्रकूट के बीच यात्रा समय में कमी आएगी और यात्रियों को आरामदायक यात्रा का विकल्प मिलेगा। साथ ही, पिछड़े इलाकों जैसे सिराथू और राजापुर में भी लोगों के लिए बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

सीएम योगी ने शिक्षामित्रों की सैलरी बढ़ाने और डिजिटल उद्यमिता योजना की घोषणा की

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को शिक्षा क्षेत्र और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण ऐलान किए। उन्होंने शिक्षामित्रों की सैलरी बढ़ाने की घोषणा करते हुए कहा कि अब उन्हें 10 हजार रुपये की जगह 18 हजार रुपये हर महीने मिलेंगे। यह नई व्यवस्था 1 अप्रैल से लागू होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां नए विद्यालय बनाए जाएंगे, इसके लिए 580 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। सीएम ने बताया कि शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार रुपये मासिक वेतन मिलेगा, वहीं अनुदेशकों के लिए वेतन 17 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही शिक्षकों के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उनकी चिकित्सा संबंधी जरूरतें बिना किसी आर्थिक बोझ के पूरी हो सकें। शिक्षा और रोजगार क्षेत्र में निवेश के साथ ही मुख्यमंत्री ने डिजिटल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल एन्टरप्रेन्योर योजना की भी घोषणा की। इसके तहत प्रदेश के गांवों में आठ हजार डिजिटल उद्यमी स्थापित किए जाएंगे, जिसमें 50 फीसदी महिला आरक्षण



सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अलावा, केंद्र सरकार के यूनियन बजट में घोषित 'सीमार्ट' योजना के अनुरूप प्रदेश में महिला उद्यमियों के लिए विपणन उद्योग केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। सीएम ने स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार का उल्लेख करते हुए कहा कि यूपी में पहले मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर बहुत खराब थी। इस दिशा में संस्थागत प्रसव की व्यवस्था की गई, ताकि जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित रहें।

इसके लिए एक हजार करोड़ रुपये की योजना बनाई जा रही है। कृषि क्षेत्र में भी सरकार ने कई पहल की हैं। सीएम ने बताया कि कृषि एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए बजट में 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 40 लाख ट्यूबवेल लगाए गए हैं। उन्होंने सपा शासनकाल में बिजली और सिंचाई की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि पहले किसानों को बिजली नहीं मिलती थी और काम प्रभावित होता था। आज

16 लाख किसानों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा, सरकार सोलर पैनल भी किसानों को उपलब्ध कराएगी। सीएम ने कहा कि आज 'खेती की बात खेत में' होती है और किसानों को उनकी जमीन और फसल का पूरा लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर उन्होंने बीच में हल्की चुटकी लेते हुए कहा कि कृषि मंत्री की सेहत देखकर कोई नहीं कह सकता कि वह खुद खेती करते होंगे, लेकिन सरकार

उन्नाव कस्टोडियल डेथ : दिल्ली हाईकोर्ट ने जयदीप सेंगर को आत्मसमर्पण का दिया निर्देश



टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उच्च न्यायालय ने उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के भाई जयदीप सेंगर को राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने उन्हें जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। पीठ उनकी अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने पाया कि जयदीप को जुलाई 2024 में दो माह के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी, जिसे अंतिम बार अप्रैल 2025 में बढ़ाया गया था। इसके बाद पांच सुनवाइं तिथियों पर कोई विस्तार आदेश पारित नहीं हुआ। जयदीप के वकील ने स्वास्थ्य कारणों, विशेषकर ओरल कैंसर से पीड़ित होने का हवाला देकर जमानत बढ़ाने का आग्रह किया, लेकिन पीठ ने स्पष्ट कहा, "पहले आत्मसमर्पण करें, फिर हम विचार करेंगे।" इससे पहले 17 फरवरी की सुनवाई में भी अदालत ने अंतरिम जमानत 20 फरवरी तक बढ़ाने से इनकार कर दिया था। ट्रायल कोर्ट ने जयदीप सेंगर को मामले में 10 वर्ष की सजा सुनाई है। सीबीआई ने जमानत विस्तार का कड़ा विरोध करते हुए अदालत में दावा किया कि प्रस्तुत मेडिकल दस्तावेज और प्रिस्क्रिप्शन संदिग्ध हैं। अदालत ने सीबीआई को स्वास्थ्य स्थिति पर सत्यापन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसी मामले में उच्च न्यायालय ने पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर और अन्य दोषियों को नोटिस जारी किया है। पीड़िता ने याचिका दायर कर दोषियों की सजा बढ़ाने और शीघ्र सुनवाई की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 2 मार्च को निर्धारित है। गौरतलब है कि कुलदीप सेंगर कस्टोडियल डेथ मामले में 10 वर्ष की सजा काट रहे हैं, जबकि नाबालिग से दुष्कर्म मामले में उन्हें उम्रकैद की सजा मिली है। दोनों मामलों में उनकी अपील उच्च न्यायालय में लंबित है। पिछले वर्ष हाईकोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगाई थी, जिसे बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया था।

उन्नाव: यूपी बोर्ड परीक्षा में 4331 छात्र शामिल, 159 रटे अनुपस्थित

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के तहत गुरुवार को दो पालियों में कुल 12 विषयों की परीक्षा संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 4331 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 159 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। कंप्यूटर और बैकिंग जैसे विषयों के प्रश्नपत्रों ने छात्रों को काफी चुनौती दी। दूसरे दिन भी कई परीक्षा केंद्रों पर कक्ष निरीक्षकों की कमी बनी रही। पहली पाली में सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक हाईस्कूल के छात्रों ने कंप्यूटर विषय की परीक्षा दी, जबकि इंटरमीडिएट के छात्रों ने ग्रंथ शिल्प, सिलाई शिल्प, फल एवं खाद्य संरक्षण, परिधान रचना एवं सज्जा, बैकिंग, आशुलिपिक टंकण, हिंदी व अंग्रेजी टंकण, रंगीन फोटोग्राफी और मुद्रण विषय की परीक्षा दी। इन विषयों में पंजीकृत 908 छात्रों में से 890 परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 18 अनुपस्थित रहे। सिलाई शिल्प विषय में पंजीकृत सभी 18 छात्रों ने परीक्षा दी। दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक इंटरमीडिएट के नागरिक शास्त्र विषय की परीक्षा आयोजित की गई। इस विषय में पंजीकृत 3582 छात्रों में से 3441 ने परीक्षा दी, जबकि 141 छात्र अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान सचल दल द्वारा लगातार निरीक्षण किया गया। डीआईओएस सुनीलदत्त ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कक्ष निरीक्षकों की कमी की शिकायतें मिली थीं, जिन्हें बाद में दूर कर दिया गया। वहीं, उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने के लिए शहर का जीआईसी ही मुख्य संकलन केंद्र बनाए जाने से दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 50 किलोमीटर दूर से आने वाले शिक्षकों को दोनों पालियों की कॉपियां जमा करने में दिक्कत हो रही है। इस संबंध में पूर्व प्रत्याशी एवं शिक्षक नेता वेणुंजन भदौरिया ने जिलाधिकारी से वार्ता कर उपसंकलन केंद्र बनाए जाने की मांग की है, ताकि शिक्षकों को राहत मिल सके।



रिजर्व पुलिस लाइन में आरटीसी प्रशिक्षु आरक्षियों को आगामी परीक्षाओं के लिए दिशा-निर्देश

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव: रिजर्व पुलिस लाइन में आरटीसी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों को आगामी इनडोर और आउटडोर परीक्षाओं को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। यह आयोजन पुलिस लाइन में आयोजित एक बैठक के दौरान हुआ, जिसमें एसएसपी जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आरक्षियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं है, बल्कि समाज की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को आगामी परीक्षाओं को प्रशिक्षण का अहम चरण बताते हुए उन्हें गंभीरता और अनुशासन के साथ तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक कुशल पुलिसकर्मी बनने के लिए शारीरिक दक्षता, मानसिक सजगता और विधिक ज्ञान में संतुलन आवश्यक है। उन्होंने आरक्षियों को सलाह दी कि आउटडोर परीक्षा में सफल होने के लिए नियमित अभ्यास, दौड़, पेड़ और शारीरिक मानकों को निरंतर बनाए रखें। उनका कहना था कि यह केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि वास्तविक सेवा में भी फिटनेस और सहनशक्ति बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरक्षियों को यह भी समझाया कि इनडोर परीक्षा में केवल लिखित परीक्षा नहीं, बल्कि कानून, पुलिस प्रक्रिया, अधिकार एवं कर्तव्य तथा सामान्य ज्ञान की व्यापक तैयारी आवश्यक है। प्रशिक्षुओं को सलाह दी गई कि वे कानून की धारा, न्यायिक प्रक्रियाओं

और पुलिस संबंधित नियमों का गहन अध्ययन करें ताकि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह ने आरक्षियों को अनुशासन और समय प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान नियमितता बनाए रखना और सभी निर्देशों का पालन करना सफलता की कुंजी है। उन्होंने प्रशिक्षण के हर चरण को अभ्यास का अवसर बताते हुए प्रशिक्षुओं को प्रत्येक दिन को गंभीरता से लेने की सलाह दी। क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह ने आरक्षियों को यह भी समझाया कि परीक्षा केवल एक मापदंड नहीं, बल्कि पुलिस सेवा में व्यावहारिक कौशल और जिम्मेदारी को परखने का अवसर है। उन्होंने कहा कि वास्तविक सेवा में जनता के भरोसे को बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है और इसके लिए प्रशिक्षण एवं परीक्षा दोनों का सही उपयोग आवश्यक है। इस अवसर पर अधिकारियों ने आरक्षियों को मानसिक मजबूती, नेतृत्व क्षमता और सामूहिक कार्य में सहयोग की आवश्यकता के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक प्रशिक्षु आरक्षक के रूप में न केवल व्यक्तिगत क्षमता विकसित करना जरूरी है, बल्कि टीम वर्क और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए भी तैयार रहना आवश्यक है। आरक्षियों ने अधिकारियों के मार्गदर्शन को प्रेरक बताया और उन्होंने अपनी परीक्षा की तैयारी और प्रशिक्षण में और अधिक सतर्कता और मेहनत का संकल्प लिया। पुलिस विभाग ने इस तरह के दिशा-निर्देशों को नियमित रूप से जारी करने की योजना बनाई है ताकि प्रशिक्षु आरक्षक सेवा के हर पहलू के लिए पूरी तरह सक्षम और सजग बन सकें।



धन कुली गांव में कारपेंटर का शव पेड़ पर लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव: बिहार थाना क्षेत्र के धन कुली गांव में शुक्रवार को 50 वर्षीय कारपेंटर सुंदर लाल का शव संदिग्ध परिस्थितियों में एक पेड़ पर लटका पाया गया। मृतक का शव उनके घर से लगभग एक किलोमीटर दूर मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सुंदर लाल पुत्र रामेश्वर, 50 वर्ष, गांव के ही रहने वाले थे। वे पेशे से कारपेंटर थे और मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी और पांच नाबालिग बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और तीन बेटियां शामिल हैं। परिजनों के अनुसार, सुंदर लाल गुरुवार शाम को अपने घर से निकले थे, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटे। परिवार ने उन्हें खोजने के लिए आसपास के घरों और गांव में काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। शुक्रवार सुबह गांव के कुछ लोगों ने पेड़ पर उनका शव लटका देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचित किया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस ने कहा है कि परिस्थितियां संदिग्ध हैं, इसलिए हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा, "हम किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है और सभी साक्ष्यों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया जा रहा है। यदि

किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधि का संकेत मिलता है तो उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।" सुंदर लाल की आर्थिक और पारिवारिक स्थिति को देखते हुए पुलिस का ध्यान उनके जीवन की हाल की गतिविधियों और किसी भी विवाद या तनाव के पहलू पर भी है। आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि सुंदर लाल मेहनती और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्होंने कभी किसी से कोई विवाद नहीं किया और अतर्क के परिवार के प्रति जिम्मेदार थे। गांव में इस घटना को लेकर लाल और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोग और पड़ोसी इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं और मृतक के परिवार को सांत्वना दे रहे हैं। उनका कहना है कि यह घटना पूरे गांव के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि सुंदर लाल जैसी मेहनती और ईमानदार व्यक्ति का अचानक इस तरह निधन होना हैरान करने वाला है। पुलिस ने परिवार को आश्वस्त किया है कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष और व्यापक रूप से की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर ही यह तय किया जाएगा कि मामला आत्महत्या है या किसी अन्य कारण से उनकी मौत हुई है। परिवार और पड़ोसियों को मानसिक और भावनात्मक सहयोग देने के साथ ही पुलिस को सभी संभावित पहलुओं की जांच करनी चाहिए। यह घटना न केवल परिवार के लिए दुखद है, बल्कि ग्रामीण समुदाय के लिए भी चेतावनी है कि किसी भी असामान्य परिस्थिति में तुरंत उचित अधिकारियों को सूचना देना जरूरी है। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या जानकारी को तुरंत पुलिस के साथ साझा करें, जिससे जांच में मदद मिल सके और किसी भी अन्य दुर्घटना या अपराध को रोका जा सके।

अखिलेश यादव ने CM योगी के जापान दौरे पर कसा तंज, कहा- जापान जा रहे हैं तो क्योटो भी चले जाइएगा

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें जापान की यात्रा में क्योटो जाकर वाराणसी के विकास और विरासत संरक्षण पर सबक लेना चाहिए। साथ ही अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्गों को निशाना बनाने की आलोचना की।

टीवी भारतवर्ष, उत्तर प्रदेश

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें अपनी आगामी जापान यात्रा में क्योटो जरूर जाना चाहिए और यह समझना चाहिए कि वाराणसी का विकास उसी तर्ज पर क्यों नहीं हुआ। अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर आप जापान जा रहे हैं, तो क्योटो जरूर जाएं ताकि आप देख सकें कि प्रधान-संसदीय क्षेत्र काशी क्योटो जैसा क्यों नहीं बन पाया और इसकी विरासत कैसे धूमिल हुई। उन्होंने कहा कि जापान से शहरों के विकास और विरासत संरक्षण के सकारात्मक सबक लेकर लौटो। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मौजूदा कार्यकाल के अंतिम वर्ष में केवल “मनसुख-पर्यटन” कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा, “खैर, अब उनके कार्यकाल के अंतिम पड़ाव में—कौन कह सकता है कि वे जापान का ठीक से अध्ययन भी कर पाएंगे। किसी ठोस



योजना को तैयार करना तो दूर की बात है। यह मुख्यमंत्री का ‘मनसुख-पर्यटन’ है। अगर वे इसे स्वीकार करते हैं, तो कम से कम लोग उन्हें जाने से पहले एक सच बोलने के लिए याद रखेंगे। क्या वे सिर्फ ‘वनस्पति के विशेष अध्ययन’ का निजी लाभ उठाएंगे, या इसे अपने करीबियों के साथ भी साझा करेंगे?” यह उल्लेखनीय है कि आगस्त-सितंबर 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के दौरान वाराणसी और क्योटो के बीच एक पार्टनर सिटी संबद्धता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते में संस्कृति, कला, शिक्षा, विरासत संरक्षण और शहर के आधुनिकीकरण को सहयोग के संभावित क्षेत्रों के रूप में रखा गया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर)

के तहत अल्पसंख्यकों और पिछड़े समुदायों को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने इस मुद्दे को उठाने के लिए चुनाव आयोग से समय मांगा है। पत्रकारों से बातचीत में यादव ने कहा, “हमने चुनाव आयोग से समय मांगा है और जैसे ही हमें मौका मिलेगा, हमारा प्रतिनिधिमंडल जाएगा। केवल मुसलमानों, पिछड़े वर्गों, दलितों, आदिवासियों और विशेष रूप से उन लोगों को ही नोटिस भेजा जा रहा है जो पढ़ाई-लिखाई नहीं समझ पाते और पिछड़े वर्ग से हैं। यह अनुचित है और हमें इसे रोकने के लिए कार्रवाई करनी होगी।” इस बीच, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उत्तर प्रदेश में चला रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि को 3 मार्च, 2026 तक बढ़ा दिया है।

आयोग ने कहा है कि इस दौरान सभी पात्र नागरिक अपने दावे और आपत्तियां दर्ज कर सकते हैं। अखिलेश यादव की यह टिप्पणी और विरोध सरकार की वाराणसी विकास योजनाओं और मतदाता सूची के संशोधन पर बढ़ते विवाद को उजागर करती है। अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि उनका फोकस सिर्फ आलोचना पर नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों और शहरों के संरचनात्मक विकास पर भी है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि वे जापान से सीख लेकर वाराणसी के विकास और विरासत संरक्षण को प्राथमिकता दें, ताकि शहर क्योटो जैसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को दोबारा पा सके। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में वाराणसी और राज्य के विकास योजनाओं पर बहस तेज हो गई है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले की सुनवाई 12 मार्च तक टली

टीवी भारतवर्ष, प्रयागराज

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को प्रस्तावित सुनवाई 12 मार्च तक टाल दी गई। शुक्रवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को अपना जवाब दाखिल करना था, जिसके बाद सभी पक्षों को रिपोर्ट पर बहस करनी थी। अब यह प्रक्रिया अगली तिथि पर होगी। इससे पहले 30 जनवरी को न्यायमूर्ति अविनाश सक्सेना की अदालत में लगभग तीन घंटे तक सुनवाई चली थी। उस दौरान एएसआई ने अपना जवाब और रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा था। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अगली सुनवाई 20 फरवरी के लिए निर्धारित की थी। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्षकार एवं अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने अदालत को अवगत कराया कि वाद संख्या तीन में अब तक एएसआई की रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई है। इस पर एएसआई की ओर से अतिरिक्त समय की मांग की गई थी। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले से जुड़े लंबित प्रार्थना पत्रों पर आगे की कार्यवाही सुप्रीम कोर्ट में 16 फरवरी को प्रस्तावित सुनवाई के बाद ही की जाएगी। यह सुनवाई प्रतिनिधि वाद से संबंधित है, जिसके निर्णय का असर हाईकोर्ट में लंबित प्रकरणों पर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि 10 दिसंबर की सुनवाई में वाद संख्या चार के वादी ने संशोधन प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के आशुतोष ब्रह्मचारी के अनुसार संशोधन में दावा किया गया है कि विवादित भूमि के अभिलेखों में ईदगाह का नाम दर्ज नहीं है। साथ ही मरम्मत व सफाई के दौरान प्राचीन मूर्तियां और वैदिक चिह्न मिलने का उल्लेख किया गया है। वाद में नए तथ्यों को जोड़ते हुए पद्मविभूषण जगदुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास महाराज को वादी के रूप में शामिल करने का अनुरोध भी किया गया है। अदालत में मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च को होगी।

बच्चों की संख्या पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का बयान

टीवी भारतवर्ष, वाराणसी

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बच्चों की संख्या और जनसंख्या को लेकर चल रही बहस पर प्रतिक्रिया दी है। उनका यह बयान उस संदर्भ में आया है, जब मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चे पैदा करने संबंधी बयान का उल्लेख करते हुए कहा था कि मुसलमान अधिक बच्चे पैदा नहीं कर रहे हैं। शंकराचार्य ने कहा कि कौन कितना बच्चा पैदा कर रहा है, यह उनका व्यक्तिगत विषय है और लोगों को अपने घर की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल संख्या बल से कोई समाज मजबूत नहीं होता। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कुत्तों की संख्या अधिक होती है, लेकिन एक शेर की दहाड़ से वे तितर-बितर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई यह सोचता है कि संख्या बढ़ाकर वह समाज में प्रभुत्व स्थापित कर लेगा, तो यह धारणा सही नहीं है। केवल जनसंख्या बढ़ने से समाज सशक्त नहीं होता। कई बार अधिक संख्या होने पर आपसी संघर्ष भी बढ़ जाता है। इस संदर्भ में उन्होंने भगवान



श्रीकृष्ण के वंशज यादवों का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें किसी बाहरी शत्रु ने नहीं, बल्कि आपसी संघर्ष ने समाप्त किया था। शंकराचार्य ने कहा कि समाज केवल बच्चों की संख्या से न तो समाप्त होता है और न ही मजबूत बनता है। समाज की स्थिरता उसकी संस्कृति, सभ्यता और धर्म पर आधारित होती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यदि बच्चों को संस्कार नहीं दिए गए, तो भविष्य में वे अपने मूल से भटक सकते हैं। उन्होंने कहा कि फसल हम उगाएं और कोई अन्य उसे काट ले जाए, यह उचित नहीं है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों को अच्छे संस्कार दिए जाएं और उन्हें अपने धर्म और परंपराओं के प्रति जागरूक बनाया जाए।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर हर्डोई में पथराव, मोहन भागवत सुरक्षित

टीवी भारतवर्ष हरदोई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत जिस वंदे भारत एक्सप्रेस से मेरठ जा रहे थे, उस ट्रेन पर गुरुवार दोपहर हरदोई में पथराव किया गया। पत्थर लगने से एक कोच की खिड़की का शीशा चटक गया। हालांकि घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई और मोहन भागवत पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना करीब 3:20 बजे उस समय हुई, जब वाराणसी से मेरठ जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस हरदोई में कोतवाली देहात क्षेत्र के कौड़ा गांव स्थित बलोखर फाटक के पास पहुंची थी। तेज आवाज के साथ एक पत्थर कोच की खिड़की से टकराया, जिससे शीशा टूट गया। उस समय ट्रेन में बैठे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। मोहन भागवत कोच संख्या E1 में सवार थे, जबकि पथराव एक कोच आगे C4 में हुआ बताया जा रहा है। ट्रेन स्टाफ ने तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली देहात पुलिस, जीआरपी और आरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। हालांकि तब तक ट्रेन आगे बढ़ चुकी थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की। जीआरपी प्राथमिक जांच में दो संभावनाएं मान रही हैं। पहला, ट्रैक के पास क्रिकेट खेल रहे बच्चों की गेंद लगने से शीशा टूटा हो सकता है। दूसरा, शरारती तत्वों द्वारा पत्थर फेंके जाने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन को गंभीर नुकसान नहीं हुआ है और जांच जारी है। मोहन भागवत रात करीब 9 बजे सुरक्षा घेरे में मेरठ स्टेशन पहुंचे। वह शताब्दीनगर स्थित माधवकुंज में ठहरे हैं। यहां 20 और 21 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम में वे 28 जिलों के प्रबुद्धजनों से चर्चा करेंगे और खिलाड़ियों से भी सामाजिक अनुभवों पर संवाद कर सकते हैं। ट्रेन में सफर कर रही मेरठ की सुनीता ने बताया कि उन्होंने कोच E1 में जाकर मोहन भागवत का



प्रति वर्ष 400 लाख टन फल एवं सब्जियों का उत्पादन
गन्ना, चीनी, खाद्यान्न, आम, दुग्ध, आलू, शीरा उत्पादन में अग्रणी



करके दिखाए जो डबल इंजन सरकार है वो

UPGovtOfficial CMUttarpradesh CMOfficeUP

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश